फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 291 प्रभात जयपुर, सोमवार 25 मई, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Past, Present, Future

Back in Hyderabad, at 10.00 PM, calls the Koel. I suspect it lives in the mango tree next door and suffers from insomnia

Darius I's Forgotten Waterway

Humans May Soon Be Able to Regrow Lost Teeth Naturally

समझौते का अंतिम मसौदा तैयार हो रहा है, होर्मुज़ जल्दी खुलेगा- ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि समझौते के अंतिम पहलुओं पर चर्चा चल रही है

- ट्रंप ने कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, पाकिस्तान, जार्डन, मिस्र, तुर्किये व बहरीन के नेताओं से फोन पर बात की। बाद में ट्रंप ने इज़रायल के प्रधानमंत्री को फोन पर सभी देशों से बातचीत का ब्यौरा साझा किया।

वाशिंगटन/तेहरान, 24 मई। पश्चिम एशिया और होर्मुज़ स्ट्रेट मध्य पर तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने शनिवार को कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, पाकिस्तान, जॉर्डन, मिस्र, तुर्किये और बहरीन के नेताओं और अधिकारियों के साथ फोन पर बातचीत की। इसके बाद उन्होंने घोषणा की कि ईरान होर्मुज़ स्ट्रेट मध्य को खोलने पर सहमत हो गया है। होर्मुज़ जल्द खुलेगा।

अमेरिका और ईरान के बीच होने वाले शांति समझौते का मध्यस्थ देश अंतिम मसौदा तैयार कर रहे हैं। यह काम पूरा होने के बाद शांति समझौते की घोषणा की जाएगी।

अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने इसके बाद इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी फोन पर बातचीत की। उनके साथ कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, पाकिस्तान, जॉर्डन, मिस्र, तुर्किये और बहरीन के नेताओं के साथ हुई बातचीत का ब्यौरा साझा किया। ट्रंप ने सोशल ट्रुथ पर कहा कि इस समझौते में होर्मुज़ स्ट्रेट को फिर से खोलना भी शामिल है। यह समझौता अभी अमेरिका और ईरान के वार्ताकारों और कई अन्य देशों के अंतिम रूप दिए जाने पर निर्भर है।

उन्होंने कहा कि इस समझौते के अंतिम पहलुओं और विवरणों पर अभी चर्चा चल रही है और जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी। इस बीच, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि उनका देश दोनों पक्षों के बीच बातचीत को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों को जारी रखेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस्लामाबाद बहुत जल्द अमेरिका-ईरान के बीच भविष्य की बातचीत की मेजबानी कर सकता है।

तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने फोन पर बातचीत के बाद कहा कि अंकारा इस बातचीत में हुई प्रगति से खुश है। अब लगता है कि होर्मुज़ स्ट्रेट से निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित हो सकेगी। मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक अलग बयान में सभी पक्षों से आग्रह किया कि वे इस कूटनीतिक पहल का लाभ उठाएं और किसी समझौते पर पहुंचें। उल्लेखनीय यह कूटनीतिक प्रयास ट्रंप की धमकी के बाद तेज हुए हैं। ट्रंप ने कहा था कि संघर्ष विराम की अवधि खत्म होते ही अमेरिका पूरी ताकत से ईरान पर हमला करेगा। इसके बाद अरब देशों के कहने पर उन्होंने हमला टाल दिया था।

इस सबके बावजूद, तेहरान को अमेरिका पर अभी भी भरोसा नहीं है। तेहरान का कहना है कि अमेरिका ने उसके बंदरगाहों से सैन्य नाकाबंदी नहीं हटाई है। बताया गया है कि नवीनतम शांति समझौते में होर्मुज़ को खोलने, विदेशी बैंकों में जमा ईरान की कुछ संपत्तियों को मुक्त करने का मुद्दा शामिल है।

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तक कांग्रेस शांत नहीं बैठेगी- राहुल

नई दिल्ली, 24 मई। नीट-यूजी परीक्षा में कथित पेपर लीक मामले को लेकर सियासत तेज हो गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को केन्द्र सरकार और शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस तब तक शांत नहीं बैठेगी, जब तक शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देते और परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह सुरक्षित नहीं बनाया जाता।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हैदराबाद में छात्रों

- लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार जवाब देने के बजाय बचने में लगी है।

के प्रदर्शन का एक वीडियो साझा किया। प्रदर्शनकारी छात्र नीट पेपर लीक के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र सरकार के खिलाफ भी नारे लगाए गए। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में कहा कि जब लाखों युवा सड़कों पर हों, 22 लाख छात्रों का भविष्य दांव पर लगा हो और प्रधानमंत्री चुप रहें, तो यह साफ दिखाता है कि सरकार जवाब देने के बजाय बचने में लगी है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संवर्धित यूरेनियम के भंडार अमेरिका को बिल्कुल नहीं सौंपेगे- ईरान

ईरान का कहना है, परमाणु तो शुरुआती समझौते के मुद्दे में शामिल ही नहीं है

- ईरान की समाचार एजेंसी ने कहा कि संभावित समझौते में यह शर्त शामिल है कि होर्मुज़ से गुजरने वाले जहाजों की संख्या 30 दिन के भीतर युद्ध पूर्व के स्तर पर आ जायेगी अर्थात अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी को 30 दिन में पूरी तरह हटा दिया जाएगा।

तेहरान, 24 मई। ईरान ने अपने अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के भंडार को सौंपने से इनकार कर दिया है। ईरान ने कहा है कि उसका परमाणु मुद्दा अमेरिका के साथ प्रारंभिक समझौते में शामिल नहीं है। ईरान की ओर से रविवार को यह दावा ऐसे समय सामने आया है, जब कुछ घंटे पहले ही अमेरिकी मीडिया में दावा किया गया था कि तेहरान अपना हाईली एनरिच्ड यूरेनियम स्टॉक अमेरिका को सौंपने के लिए तैयार हो गया है।

रॉयटर्स ने एक वरिष्ठ ईरानी सूत्र के हवाले से बताया है कि तेहरान ने अपने अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के भंडार को सौंपने पर सहमति नहीं दी है। सूत्र ने कहा कि ईरान का परमाणु मुद्दा, अमेरिका के साथ हुए शुरुआती समझौते का हिस्सा नहीं था। परमाणु मुद्दे पर अंतिम समझौते के लिए होने वाली बातचीत में चर्चा की जाएगी। यह मौजूदा सौदे का हिस्सा नहीं है।

ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने रविवार को बताया है कि ईरान और अमेरिका के बीच होने वाले संभावित समझौते में यह शर्त शामिल है कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की संख्या 30 दिनों के भीतर युद्ध-पूर्व के स्तर पर वापस आ जाएगी, यानी नौसैनिक नाकाबंदी को 30 दिनों के भीतर पूरी तरह से हटाया जाएगा।

ईरान के जब्त किए धन का कुछ हिस्सा पहले चरण में जारी किया जाना चाहिए। तसनीम के मुताबिक, ईरान और अमेरिका के बीच होने वाले संभावित समझौता ज्ञापन में सभी मोर्चों पर युद्ध की समाप्ति शामिल है। इसके तहत बातचीत के दौरान वाशिंगटन ईरान के तेल पर लगे प्रतिबंधों को हटा लेगा। ईरान ने अभी तक अपने परमाणु कार्यक्रम के संबंध में किसी कार्रवाई को स्वीकार नहीं किया है।

अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि तेहरान ने सैद्धांतिक रूप से अपने हथियार ग्रेड के करीब यूरेनियम के भंडार को छोड़ने पर सहमति जताई है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौता का ढांचा तैयार है। इस समझौते का मकसद दोनों देशों के बीचशत्रुता समाप्त करना और होर्मुज स्ट्रेट खोलनाहै। ट्रंप ने कहा कि समझौते की डिटेल तय की जा रही हैं।

बारह दिन बाद मॉडल ट्विशा शर्मा का अंतिम संस्कार

एम्स दिल्ली के विशेषज्ञों द्वारा दुबारा पोस्ट-मार्टम के बाद भाई ने मुखाग्नि दी

- मॉडल व अभिनेत्री ट्विशा शर्मा की 12 मई की रात अपने ससुराल में संदिग्ध मौत हो गई थी। ससुराल पक्ष लगातार इसे आत्महत्या बता रहा है, जबकि मायके पक्ष ने दहेज के लिए प्रताड़ित हत्या बताया है।

भोपाल, 24 मई। अभिनेत्री और मॉडल ट्विशा शर्मा की मौत के 12 दिन बाद रविवार को बेहद गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार किया गया। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के भदभदा विश्राम घाट पर ट्विशा के भाई मेजर हर्षित ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम यात्रा और विदाई के दौरान मृतका की मां और पूरा परिवार फूट-फूटकर रो रहा था। इस दौरान वहां मौजूद परिजनों और करीबियों की आंखें नम थीं और लोग एक-दूसरे को ढांढ़स बंधाते नजर आए।

अंतिम संस्कार से पहले रविवार को ही दिल्ली एम्स से आई 4 सदस्यीय डॉक्टरों की विशेष टीम ने भोपाल एम्स में ट्विशा के शव का दोबारा पोस्टमॉर्टम किया। भारी सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस बल की तैनाती के बीच यह पूरी फॉरेंसिक प्रक्रिया करीब 3 घंटे तक चली। दोबारा पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया संपन्न करने के बाद दिल्ली एम्स की टीम वापस रवाना हो गई। डॉक्टरों की यह टीम अपनी विस्तृत फॉरेंसिक रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सीधे अदालत और संबंधित जांच एजेंसी को सौंपेगी।

गौरतलब है कि ट्विशा शर्मा की 12 मई की रात यहां के कटारा हिल्स स्थित उनके ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। जहां एक ओर ससुराल पक्ष इसे लगातार आत्महत्या बता रहा है वहीं मायके पक्ष का सीधा आरोप है कि ट्विशा को दहेज के लिए प्रताड़ित कर उसकी हत्या की गई है। इस हाई-प्रोफाइल मामले में सोमवार का दिन कानूनी तौर पर बेहद अहम होने वाला है। उच्चतम न्यायालय इस मामले को लेकर सुनवाई करेगा। वहीं, भोपाल जिला अदालत में ट्विशा की सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को मिली अग्रिम जमानत को निरस्त करने के लिए मायके पक्ष द्वारा दायर आवेदन पर भी सोमवार को ही सुनवाई होनी है।

मामले का मुख्य आरोपी और ट्विशा का पति समर्थ सिंह फिलहाल भोपाल पुलिस की 7 दिनों की रिमांड पर है। शनिवार को पेशी के दौरान अदालत ने उसका पासपोर्ट भी जब्त करने के सख्त आदेश दिए थे, ताकि वह देश से बाहर न भाग सके। फिलहाल पुलिस रिमांड के दौरान समर्थ से घटना की रात के घटनाक्रम और उसके बयानों की सत्यता को लेकर कड़ाई से पूछताछ कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सहमति के बाद, इस पूरे मामले की कमान जल्द ही सीबीआई के हाथों में सौंपने की प्रशासनिक तैयारियां भी तेज हो गई हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी की सीबीआई जाँच के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली, 24 मई। सोशल मीडिया पर चर्चा में आई कॉकरोच जनता पार्टी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई है। इस याचिका में कथित फर्जी वकीलों, फर्जी

- वकील राजा चौधरी ने कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़े लोगों की गतिविधियों की जाँच की मांग की।

लॉ डिग्री रैकेट और कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़े लोगों की गतिविधियों की सीबीआई जांच की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका वकील राजा चौधरी ने दाखिल की है।

कॉकरोच जनता पार्टी हाल ही में सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा में आ गई है। कुछ दिन में ही उसके लाखों फॉलोअर्स हो गए हैं। सोशल मीडिया पर यह अभियान चीफ जस्टिस सूर्यकांत की कॉकरोच टिप्पणी के बाद शुरू हुआ था।

बाद में सीजेआई ने साफ किया कि उनकी टिप्पणियां बेरोजगार युवाओं के खिलाफ नहीं थीं, बल्कि उन लोगों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वाइट हाउस के पास फिर गोलियाँ चलीं, एक संदिग्ध की मौत

गोलीबार के बाद सीक्रेट सर्विस ने समूचे क्षेत्र को घेर लिया व कुछ समय के लिए वाइट हाउस बंद कर दिया

- मारे गये संदिग्ध की पहचान नासिर बेस्ट के रूप में हुई। वह पहले भी वाइट हाउस में घुसने की कोशिश में पकड़ा गया था।
- एक माह से कम समय पूर्व वाइट हाउस में पत्रकारों के डिनर में गोलियाँ चलीं थीं। पत्रकारों व अधिकारियों को टेबलों के नीचे छुपना पड़ा था।

वाशिंगटन, 24 मई। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास वाइट हाउस के पास शनिवार शाम हुई गोलीबारी से पूरा इलाका दहल गया। बताया गया है कि घटना के समय राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ईरान समझौते पर कुछ लोगों से बातचीत कर रहे थे। गोलीबारी के बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ने समूचा इलाका घेर लिया। सुरक्षा के लिए से कुछ समय के लिए वाइट हाउस को बंद कर दिया गया। अनहोनी की आशंका के मद्देनजर वाइट हाउस को कवर करने वाले मीडिया कर्मियों को तत्काल ब्रीफिंग रूम में जाने का आदेश दिया गया। पता चला है कि गोलीबारी में दो लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सीक्रेट सर्विस एजेंट्स की गोलीबारी में घायल एक संदिग्ध ने कुछ देर बाद दम तोड़ दिया।

सीबीएस न्यूज, एबीसी न्यूज और सीएनएन चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, वाइट हाउस के बाहर सीक्रेट सर्विस के चेकपॉइंट के अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी के बाद घायल संदिग्ध को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। गोलीबारी में एक राहगीर भी घायल हो गया। सीक्रेट सर्विस के किसी भी एजेंट को कोई नुकसान नहीं हुआ। सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता ने बताया कि घटना के समय राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप वाइट हाउस में ही थे।

जांच अधिकारियों के अनुसार, मारे गए संदिग्ध की पहचान 21 वर्षीय नासिर बेस्ट के रूप में हुई है। बेस्ट का जुलाई 2025 में भी सीक्रेट सर्विस के साथ आमना-सामना हो चुका है। तब उसने वाइट हाउस में घुसने की कोशिश की थी। उसे गिरफ्तार कर मनोरोग वार्ड में भेज दिया गया था।

यह गोलीबारी वाइट हाउस के बाहर 17वीं स्ट्रीट और पेंसिल्वेनिया एवेन्यू एनडब्ल्यू पर आइजनहावर एग्जीक्यूटिव ऑफिस बिल्डिंग के पास हुई। इस दौरान लगभग 15 से 30 गोलियां चलाई गईं।

सूत्रों के मुताबिक, संदिग्धों ने सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स को निशाना बनाया, पर वे कामयाब नहीं हो सके। सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ने भी माकूल जवाब दिया। एजेंट्स को भी गोली चलानी पड़ी। यूएस सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता एंथनी गुग्लिएल्मी ने कहा कि एजेंसी ने संदिग्धों के मंसूबे को विफल कर दिया। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल ने एक्स पर कहा कि सूचना पाते ही मौके पर हमारे अधिकारी पहुंचे।

यह घटना वाइट हाउस में पत्रकारों के डिनर के एक महीने से भी कम समय बाद हुई है। तब भी गोलियां चली थीं और पत्रकारों के साथ अधिकारियों को मेजों के नीचे छुपना पड़ा था। सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स राष्ट्रपति को तत्काल सुरक्षित स्थान पर ले गए थे।वीडियो फुटेज के अनुसार गोलीबारी का संदिग्ध कोल टॉमस एलन हाथ में शॉटगन लिए एक सुरक्षा चौकी से तेजी से भागा और अपना पीछा कर रहे सीक्रेट सर्विस एजेंट्स पर गोलीबारी की। उस पर राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या की कोशिश करने का आरोप लगा है। यह घटना वाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान वाशिंगटन हिल्टन होटल में हुई थी।

कर्नाटक में नीट छात्रा ने आत्महत्या की

नई दिल्ली, 24 मई। कर्नाटक के कलबुर्गी जिले से एक बेहद दुखद मामला सामने आया है। यहां परीक्षा में शामिल हुई 18 वर्षीय छात्रा ने आत्महत्या कर ली है।

मृतक छात्रा की पहचान भाग्यश्री के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि

- पीयूसी बोर्ड परीक्षा में उसे 92 प्रतिशत अंक मिले थे।

उसने हाल ही में हुए पीयूसी बोर्ड परीक्षा में 92 प्रतिशत अंक हासिल किए थे।

पुलिस के मुताबिक, भाग्यश्री ने 2 मई को आयोजित नीट परीक्षा दी थी। रविवार को वह अपने अपार्टमेंट में कमरे के अंदर फंदे से लटकी मिली। शुरुआती जांच में पता चला है कि छात्रा ने सीलिंग फैन से लटककर जान दी। मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फिलहाल मामले की जांच जारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अडानी की कंपनी को राज्य विद्युत उत्पादन निगम 66.70 करोड़ रु. चुकाएगा

राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने ''परसा कैंटे कॉलैरीज़ लिमिटेड'' के पक्ष में फैसला सुनाया

- ज्ञात रहे कि राज्य सरकार के साथ हुए अनुबंध के मुताबिक, वर्ष 2008 में इस कंपनी को छत्तीसगढ़ में राजस्थान के कोल ब्लॉक में से कोयला निकालकर प्रदेश के थर्मल पावर प्लांट्स में सप्लाई करना था। परंतु वर्ष 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ में हुए कोयले की खदानों के कई ऑक्शन को रद्द कर दिया था।
- सुप्रीम कोर्ट के आदेश उपरांत, केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा कानून में संशोधन करने से अडानी को पुनः उक्त कोल ब्लॉक की माइनिंग लीज मिल गई। परंतु कोयले की सप्लाई के अनुबंध को लागू करने के लिए अडानी की कंपनी ''परसा कैंटे कॉलैरीज़ लिमिटेड'' को 66.70 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्चा उठाना पड़ा।
- वर्ष 2021 में आर्बिट्रेटर ने इस कंपनी के पक्ष में अवार्ड पारित किया था, परंतु विद्युत निगम की याचिका पर कमर्शियल कोर्ट ने वर्ष 2023 में 66.70 करोड़ रुपए के इस अवार्ड को निरस्त कर दिया था।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 24 मई। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने ''परसा कैंटे कॉलैरीज़ लिमिटेड'' के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा है कि राजस्थान राज्य विद्युत निगम 66.70 करोड़ रु. का अतिरिक्त भुगतान करना होगा, जैसा कि इस मामले में आर्बिट्रेटर ने वर्ष 2021 में अवार्ड दिया था। उल्लेखनीय है कि यह कंपनी अडानी और राज्य विद्युत उत्पादन निगम के गठबंधन से बनी है। इस कंपनी में 50 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी अडानी की है तथा अल्प हिस्सेदारी विद्युत निगम की है।

राज्य सरकार के साथ हुए अनुबंध के मुताबिक, वर्ष 2008 में इस कंपनी को छत्तीसगढ़ में राजस्थान के कोल ब्लॉक में से कोयला निकालकर प्रदेश के थर्मल पावर प्लांट्स में सप्लाई करना था। परंतु वर्ष 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ में हुए कोयले की खदानों के कई ऑक्शन रद्द कर दिये थे, जिसके चलते अडानी द्वारा स्थापित इस कंपनी को भी अपनी माइनिंग लीज से हाथ धोना पड़ा था।

यहां पाठकों को यह समझाना जरूरी है कि, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के उपरांत, केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा कानून में संशोधन करने से अडानी को पुनः उक्त कोल ब्लॉक की माइनिंग लीज मिल गई। परंतु माइनिंग लीज़ प्राप्त करने के बाद कोयले की सप्लाई के अनुबंध को लागू करने के लिए अडानी की कंपनी ''परसा कैंटे कॉलैरीज़ लिमिटेड'' को 4 ग्रामों में जमीन अवाप्त करनी पड़ी। इस कारण उसे 66.70 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्चा उठाना पड़ा।

इस अतिरिक्त लागत के चलते ''परसा कैंटे कॉलैरीज़ लिमिटेड'' और विद्युत निगम के बीच हुए विवाद को सुलझाने के लिए आर्बिट्रेटर नियुक्त किया गया था। वर्ष 2021 में आर्बिट्रेटर ने अवार्ड पारित किया था कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा पहले माइनिंग लीज रद्द करने तथा कानून में परिवर्तन के कारण बाद में पुनः लीज अडानी को दिए जाने की स्थिति की किसी ने कल्पना नहीं की थी। ऐसे में इस मामले में ''परसा कैंटे कॉलैरीज़ लिमिटेड'' को अपना कोयला सप्लाई अनुबंध पूरा करने के लिए कई तरह के अतिरिक्त खर्च उठाने पड़े हैं, जैसे कि भूमि अवाप्ति, माइनिंग लीज को क्रियान्वित करवाना, स्टांप ड्यूटी के पुनः भुगतान। आर्बिट्रेटर ने अपने अवार्ड में कहा था कि ''कानून में ऐसे परिवर्तन की स्थिति'' अनुबंध की शर्तों में कवर होती है, ऐसे भुगतान राज्य विद्युत निगम को ही करने पड़ेंगे।

उल्लेखनीय है कि राज्य विद्युत निगम ने आर्बिट्रेटर के अवार्ड के खिलाफ ''आर्बिट्रेशन एंड कन्सीलेंशन एक्ट 1996'' की धारा 34 के तहत कमर्शियल कोर्ट में याचिका दायर की, जिस पर कोर्ट ने 20 मई 2023 को आर्बिट्रेटर द्वारा पारित अवार्ड को खारिज कर दिया था।

कमर्शियल कोर्ट के आदेश के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शटल ट्रेन पर आत्मघाती हमले में पाकिस्तान के 27 सैन्य अधिकारी मारे गए

इस्लामाबाद, 24 मई। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान की राजधानी क्वेटा में चमन फाटक के पास आज सुबह एक शटल ट्रेन पर हुए आत्मघाती हमले में कम से कम 27

- पाकिस्तान के सैन्यकर्मी बलोचिस्तान की राजधानी में क्वेटा कैंट से क्वेटा रेल्वे स्टेशन जा रहे थे।

सैन्य अधिकारी मारे गए और 131 से अधिक घायल हो गए। विस्फोट की वजह से ट्रेन की तीन बोगियां पटरी से उतर गईं और दो डिब्बे पलट गए। इस दौरान एक बोगी में आग लग गई।

''द बलोचिस्तान पोस्ट'' की रिपोर्ट के अनुसार, बकरीद के अवसर पर इस शटल ट्रेन के तीन कोच में पाकिस्तान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)